मिशन शिक्षण संवाद

सप्तर्षि मण्डल

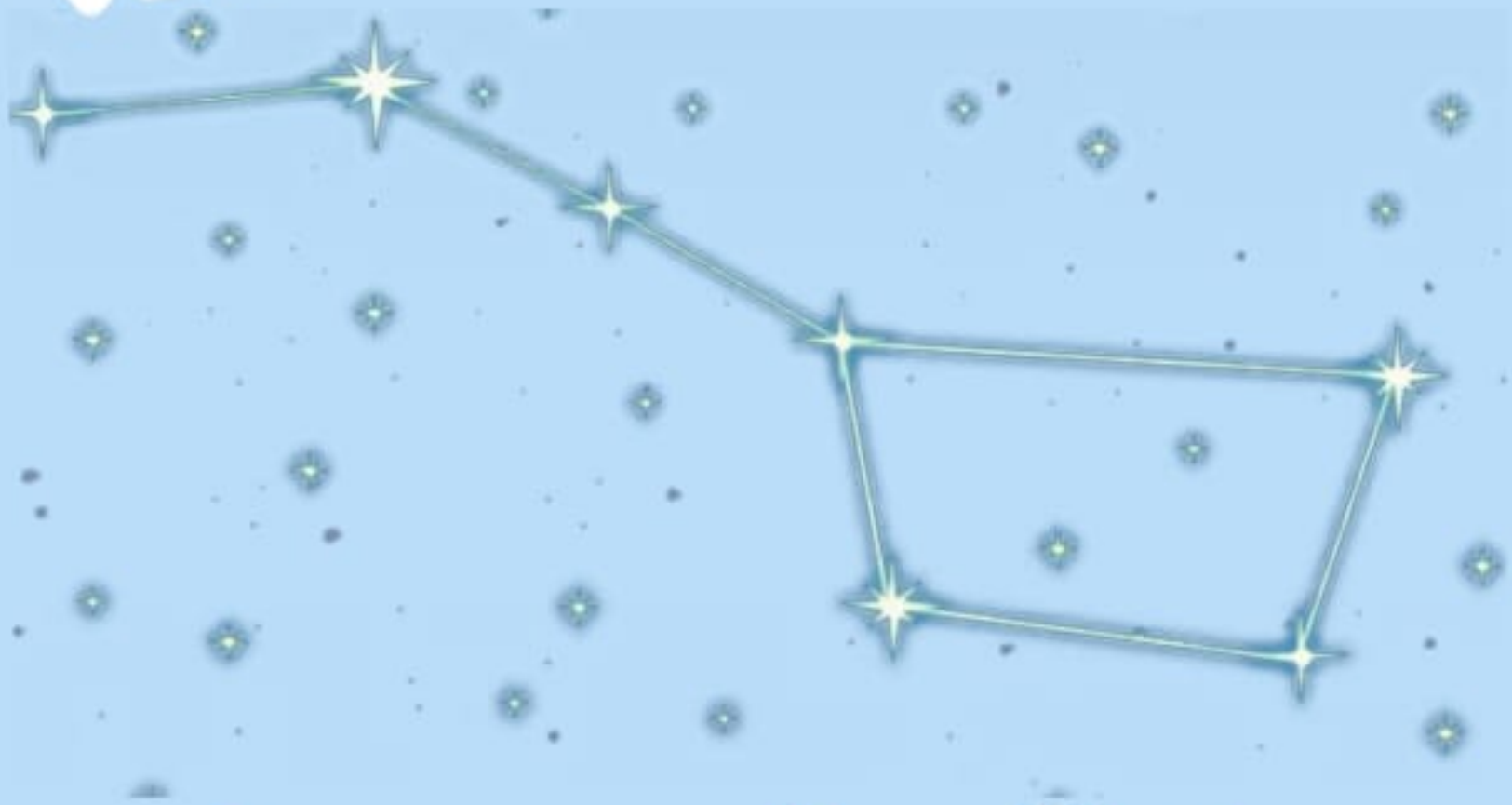

काव्य मंजरी
शैक्षिक कविताओं का संकलन

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

सप्तर्षि : अंगिरा

01

आदि पुरूष महर्षि अंगर-अंगिरा,
ब्रह्मा के मानस पुत्र व "प्रजापति" कहाये।
भाद्रपद शुक्ल पंचमी को हुआ जन्म,
चार वेदज्ञ ऋषियों में स्थान पाए।।

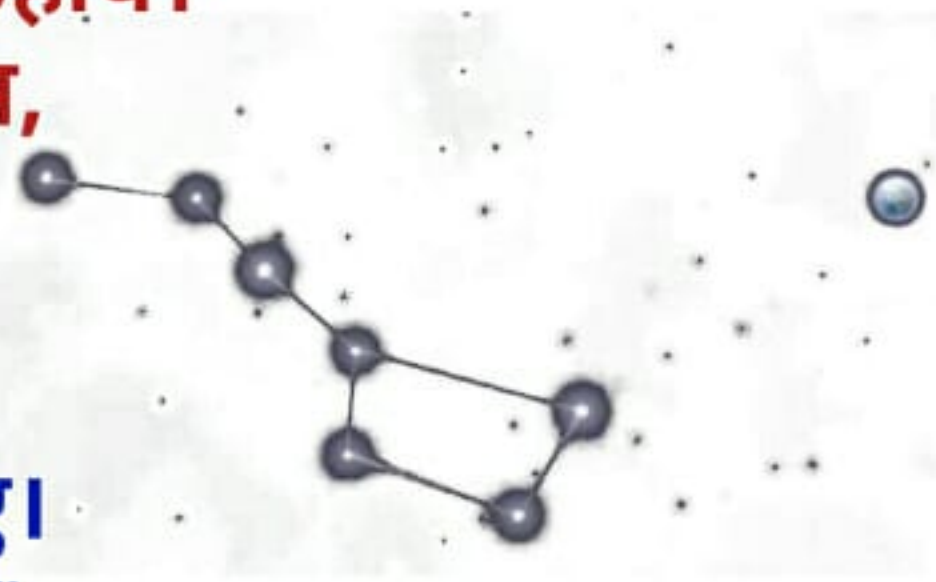

गुणों में ब्रह्मा के ही समान अंगिरा,
वेदज्ञान,अध्यात्म,योग,मंत्र अपनाए।
पत्नी दक्ष प्रजापति की पुत्री "स्मृति",
स्वयं अद्भुत स्थान सप्तऋषियों में पाए।।

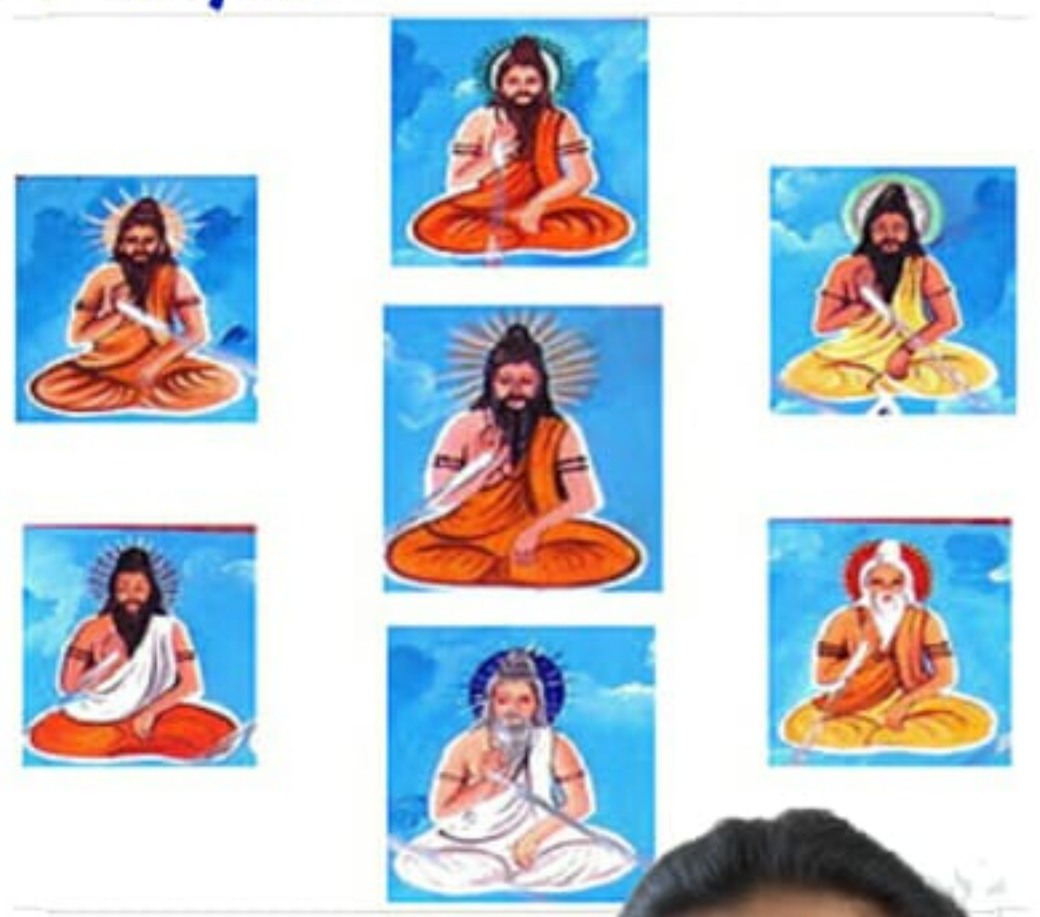

वेदज्ञान व आदिपुरूष
ब्रह्मा को अंगिरा ने,
सुनने, समझने का
सौभाग्य प्राप्त किया।
सुनकर इनकी वाणी को
अनेक ऋषियों ने,
वैदिक ऋचाओं को रचा
और विस्तार दिया।।

रचना-ज्योति चौधरी (स.अ.)
प्रा० वि० इस्लाम नगर
जनपद- मुरादाबाद

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

सप्तर्षि : पुलत्स्य

02

सप्तर्षिगणों में एक ऋषि पुलत्स्य।
पुत्र जिनके विश्रवा,महर्षि अगस्त्य।।
ब्रह्मा जी के कर्ण से हुए अवतरित।
विष्णुपुराण दिया जग में मानव हित।।

कर्दम ऋषि की पुत्री हुई हविर्भुवा।
ऋषि पुलत्स्य ने इनसे रचा विवाह।।
सुमेरु पर्वत पर करने पहुंचे तपस्या।
आयीं अप्सराएं भंग करने तपस्या।

रूष्ट होकर ऋषि ने सबको श्राप दिया
वैशाली राज कन्या ने गर्भधारण किया।।
तत्पश्चात पत्नी बनी वह राजकन्या।
महर्षि विश्रवा नामक पुत्र फिर जन्मा।।

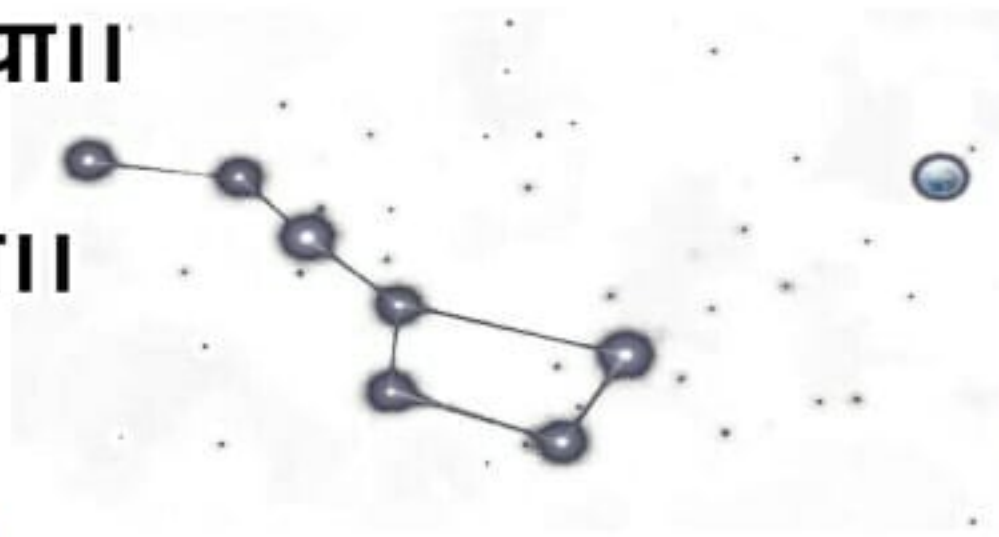

धर्म के ज्ञाता और नीति के वक्ता।
रावण,कुबेर के दादा जगत विरक्ता।।
यज्ञ आयोजन तृणबिंदु ने किया स्वर्णों से।
दान किया इतना,उठा न ब्राह्मणों से।।

तारामंडल में छठे तारे को जानो।
पुलत्स्य ऋषि नाम से पहचानो।।

रचना-प्रतिभा चौहान स.अ.
प्रा० वि० गोपालपुर
डिलारी मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

सप्तर्षि : पुलह

03

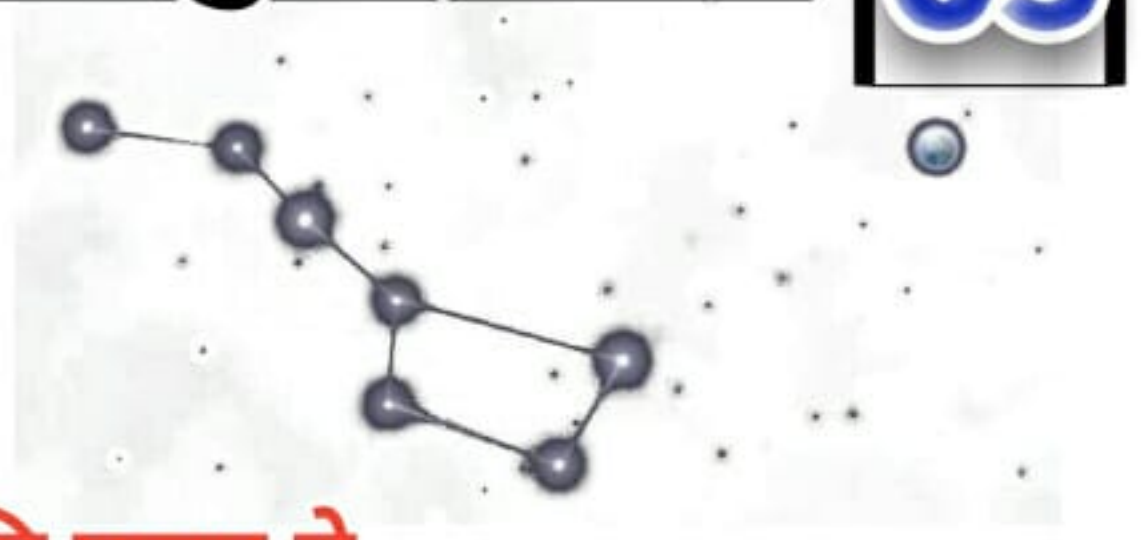

अंतरिक्ष में मिलने
वाले,तारामंडल अनेक।
उनमें जाना माना सप्तर्षि
मंडल है एक।।

सप्त ऋषियों में से एक ऋषि पुलह ने,
मानव का कल्याण किया।
चारो वेदों में मंत्र रचना और,
ब्रह्मांड सृजन में सहयोग किया।।

ब्रह्मा के मानस पुत्र हैं ये नाभि से,
उनकी ऋषि पुलह का जन्म हुआ।
पितृ आदेश स्वरूप ऋषि ने,
सृष्टि वृद्धि का कार्य किया।।

शिव ने प्रसन्न हो ऋषि से,
शिवलिंग को पुलहेश्वर नाम दिया।
ऋषि पुलह ने मानव जाति को,
ब्रह्म और अध्यात्म का ज्ञान दिया।।

रचना- श्वेता बिसारिया (स.अ.)
संविलियन वि० जैतपुर
भगतपुर टांडा, मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

सप्त ऋषि:-महर्षि क्रतु

04

सप्तर्षियों में सर्वप्रमुख,
महर्षि क्रतु एक नाम।
ब्रह्मा के कर से उत्पन्न,
वेदों का विभाजन काम।।

समानार्थी आषाढ़ और,
शक्ति के सर्वत्र जाते सराहे।
दक्ष सुता सन्नति भार्या से,
षष्टि सहस्त्र सुत पाए।।

अगस्त्य ऋषि के प्रशंसक हो,
उनके पुत्र को गोद लिया।
ध्रुव की आसक्ति में स्वयं को,
ध्रुव तारे संग जोड़ लिया।।

वाराहकल्प में वेद व्यास बन,
क्रतु ने फिर अवतार लिया।
पुराण अष्टदस की रचना कर,
विश्व में ज्ञान प्रसार किया।।

दीपक कौशिक (स०अ०)
प्रा० वि० भीकनपुर बघा
कुंदरकी,मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

सप्तर्षि : अत्रि ऋषि

05

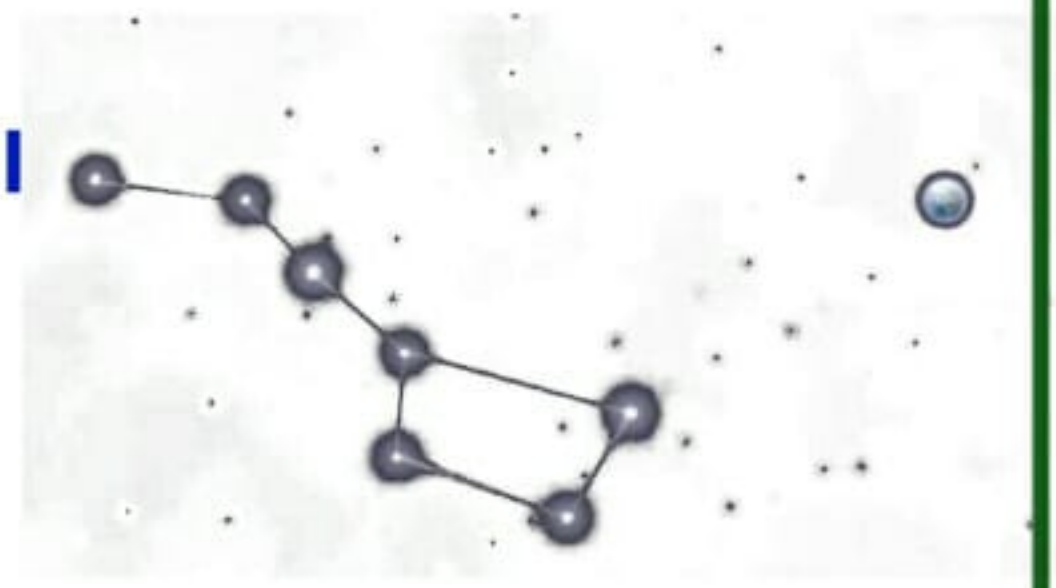

ऋषियों में ऋषि महाज्ञानी।
आओ सुनाऊँ अत्रि की कहानी।।
चन्द्रवंश में ब्रह्मपुत्र जाये।
सती अनुसूया के पति कहाये।।

चित्रकूट में धाम सजाये।
अवध नरेश यहाँ रुकने आये।।
वेदज्ञान,अध्यात्म के सागर।
ऋचाओं में भर ली थी गागर।।

ज्ञान,योग,सदाचार में आगे।
त्याग, संतोष, तप में बड़ भागे।।
सप्तऋषियों में जगह बनाये।
महा कथा सारा जग गाये।।

रचना-आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट वि० शेखूपुर खास
कुन्दरकी, मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

सप्तर्षि : मरीचि

06

मानस पुत्र ब्रह्मा के,
थे सप्तर्षियों मे से एक।
मरीचि अर्थात् प्रकाश-पुंज ने,
किए कर्म महान अनेक।।

महानता के कारण ही,
वह द्वितीय ब्रह्म कहलाए।
दक्ष कन्या 'संभूति' से,
वे थे ब्याह रचाए।।

महान ऋषि ने किया,
सुमेरु के शिखर पर निवास।
कर विवाह 'कला' से,
किया सृष्टि का विकास।।

कश्यप ऋषि के जनक बन,
हुए प्रफुल्लित विशेष।
इन्होंनें ही दिया भृगु को,
दंडनीति का उपदेश।।

ब्रह्मपुराण का दिया गया,
सबसे पहले इन्हें दान।
महाभारत में 'चित्रशिखण्डी'
कहलाए मरीचि महान।।

प्रेरित किया था 'ध्रुव' को,
करने हरि तपस्या।
अपमानित कर शंकर जी को,
उत्पन्न की समस्या।।

किया भस्म शंकर जी ने
इनको,
क्रोधित हो अनंत।
श्रेष्ठ सप्तर्षि, प्रजापति का,
हुआ इस प्रकार अंत।।

रचना-दीप्ति खुराना (स०अ०)
कम्पोजिट वि०पंडिया,कुंदरकी,मुरादाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

सप्तर्षि : वशिष्ठ

07

ब्रह्मा जी के मानस पुत्र,
अन्तिम हैं ये सप्तऋषि।
ईश्वरीय ज्ञान तपोधारी,
वेद मर्मज्ञ मनीषी ब्रह्मर्षि।।

नाम एक पर वशिष्ठ अनेक,
हर युग में कर्म अमर किए।
राजदण्ड की आक्रमकता पर,
ज्ञानांकुश कर सृष्टि विस्तार किए।।

कामधेनु गाय के रक्षाप्रण को,
विश्वामित्र जी को युद्ध हराया।
इक्ष्वाकु वंश के कुलगुरु बन,
धर्म-दया-ज्ञान प्रसारित कराया।।

श्री राम साथ अनुजों को भी,
विधा-तप-शक्ति प्रदान करी।
अन्त समय तक श्री हरि की,
सहायता सधर्म मनोरथ करी।।

राजीव कुमार गुर्जर(प्र.अ.)
प्रा.वि. बहादुरपुर राजपूत
कुन्दरकी ,मुरादाबाद

- रचनाकारों की सूची -

1- ज्योति चौधरी ,मुरादाबाद
2-प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद
3-श्वेता बिसारिया, मुरादाबाद
4- दीपक कौशिक, मुरादाबाद
5-आयुषी अग्रवाल,मुरादाबाद
6-दीप्ति खुराना, मुरादाबाद
7-राजीव कुमार गुर्जर,मुरादाबाद

टेक्निकल टीम

आर.के.शर्मा, चित्रकूट
मन्जू शर्मा,हाथरस
साकेत बिहारी शुक्ल,चित्रकूट
वन्दना यादव, जौनपुर

संकलन

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद